समाचार

उत्साह से परिपूर्ण सम्मेलनः एमडब्ल्यूसी कॉंसिल की केन्या में बैठक

केन्या की जनरल कॉंसिल सभाओं से पहले एमडब्ल्यूसी के कमीशन और नेटवर्कों की बैठकें आयोजित की जाएंगी। 2016 एमडब्ल्यूसी कमेटी की बैठकें: फेथ एण्ड लाइफ कमीशन सेक्रेटरी जॉन रोथ और याब्स मेन्टर तिजिस्त तेसफॉय गेलाग्ले। फोटोः लाइफ टीवी (इण्डोनेशिया)।

विज्ञप्ति जारी करने की तारीख: 12 मार्च 2018

एमडब्ल्यूसी जनरल सेक्रेटरी सीज़र गार्सिया कहते हैं, ''मेरी यह कामना है कि इस सम्मेलन के दौरान, हम परमेश्वर की आत्मा से परिपूर्ण हो कर, उसके लोगों के साथ सहभागिता करते हुए, और अपनी विश्वव्यापी कलीसिया की धर्मवैज्ञानिक और सांस्कृतिक विविधताओं के मध्य एकता के वरदान को लेकर परमेश्वर के साथ संगति करें।'' मेनोनाइट वर्ल्ड कॉंफ्रेंस की हर तीन वर्ष में आयोजित की जाने वाली जनरल कॉंसिल की बैठक (प्रत्येक कॉंफ्रेंसों से प्रतिनिधि भेजे जाते हैं) केन्या के नैरोबी में 23 से 26 अप्रैल तक आयोजित की जा रही हैं, इस आयोजन से पहले एमडब्ल्यूसी समितियों और नेटवर्कों की बैठकें आयोजित की जाएंगी। इसके अतिरिक्त, 21 अप्रैल 2018 को केन्या के किसुमु में सभी प्रतिनिधि और स्थानीय मेनोनाइट सदस्य मिलकर रिनेवल 2027 उत्सव में भाग लेंगे, जिसका मूल विषय है, ''पवित्र आत्मा हमें परिवर्तित कर रहा है।''

एमडब्ल्यूसी कार्यकारिणी कमेटी के सदस्य, क्षेत्रीय प्रतिनिधि, सभी कमीशन (फेथ एण्ड लाइफ, पीस, मिशन, डीकन्स), यंग एनाबैपटिस्ट्स (याब्स) कमेटी, ग्लोबल ऐनाबैपटिस्ट सर्विस नेटवर्क और ग्लोबल मिशन फैलोशिप, और ग्लोबल ऐनाबैपटिस्ट पीस नेटवर्क की संचालन समिति भी इस समय अपनी अपनी बैठकों में भाग लेंगे।

स्टाफ, सभी कमीशन और नेटवर्क अपने अपने कार्यों का प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे। जनरल कॉंसिल में 2018 से 2021 के लिए एमडब्ल्यूसी के कार्यक्रमों की योजनाएं और लक्ष्य निर्धारित किए जाएंगे (ऐनाबैपटिस्ट पहचान के अनुरुप जीवन व्यतीत करना, परस्पर रिश्तों को कायम रखना, मेलमिलाप और आशा), साथ ही, 2018 से 2021 के लिए फेयर शेयर समेत आर्थिक मामलों का आंकलन कर इन विषयों पर निर्णय लिए जाएंगे। कार्यकारिणी समिति और कमीशनों में नए सदस्यों को नियुक्त किया जाएगा, और अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के पदों पर चुनाव किए जाएंगे।

कमीशनों के द्वारा जनरल कॉंसिल में चर्चा के लिए तीन दस्तावेजों को प्रस्तुत किया जाएगाः विवादास्पद मामलों पर प्रतिक्रिया देने के लिए एक मार्गदर्शिका, मूल निवासियों के साथ समानुभूति रखने के लिए एक व्यक्तव्य, एक शिक्षण संसाधन ''आइडेन्टिटि एण्ड इक्युमेनिसिटीः ए थियोलॉजी ऑफ इन्टरचर्च हास्पिटालिटि एण्ड डिनोमिनेशनल आइडेन्टिटि।''

कार्यकारिणी समिति में अफ्रीका के प्रतिनिधि थुमा हामुकांग'अण्डू कहते हैं, ''मैं जनरल कॉंसिल सभाओं को इसलिए पसन्द करता हूँ क्योंकि यहाँ हम अलग अलग विचारधाराओं का सम्मान करते हैं।'' निर्णय लेने की प्रक्रिया के द्वारा, ''हम एक दूसरे के विश्वास की उन्नति में सहायक बनते हैं।''

2015 की जनरल कॉंसिल सभाओं के ही समान, प्रतिनिधियों को अवसर मिलेगा कि वे कलीसियाई अगुवों को सुसज्जित करने के लिए कलीसिया विकास, विवाद समाधान में अगुवाई, आत्मिक नेतृत्व, और नीतिगत योजना जैसे विषयों पर आयोजित कार्यशालाओं में भाग लें।

कार्यकारिणी समिति में यूरोप के प्रतिनिधि रेयनर बुर्काट कहते हैं, ''यह सभाएं हमारे लिए अत्यावश्यक है, सिर्फ इसलिए नहीं क्योंकि इसमें हम प्रशासनिक निर्णयों को लेते हैं, परन्तु इसलिए भी क्योंकि हम एक साथ मिलकर सीखने का समान अनुभव प्राप्त करते हैं।''

''जनरल कॉंसिल अपने सबसे सक्रिय रूप में दृश्य विश्वव्यापी कलीसिया है।''

– मेनोनाइट वर्ल्ड कॉंफ्रेंस विज्ञप्ति